A.B.M COLLEGE
GOLMURI, JSR-3

Date ______
Pages ______

MODEL SET - 4
ECONOMICS

OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

1. एक वस्तु में मानवीय आवश्यकता को पूर्ति करने की क्षमता को क्या कहते हैं? (The ability of satisfying human wants in a goods is called its —)

2. दो वस्तुओं की दशा में उपभोक्ता संतुलन की शर्त क्या होती है? (The under two commodities case the condition of consumer equilibrium is —)

3. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम के प्रतिपादक हैं —
The propounder of law of deminishing marginal utility is —

4. संतुष्टता बिन्दु पर सीमांत उपयोगिता होती है —
(At sateity Point marginal utility is —)

5. एक वस्तु के सभी इकाइयों के उपभोग से प्राप्त उपयोगिता को कहते हैं -
(Utility derived from consumption of all the units of the commodity is called —)

6. n वीं इकाई की सीमांत उपयोगिता किस प्रकार ज्ञात की जायेगी?
(Marginal utility of n^{th} unit is calculated as —)

7. कब सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक हो जाती है?
When does marginal utility become negative?

8. एक उपभोक्ता कौन है? (who is a consumer?)

SHORT TYPE QUESTIONS

9. उपयोगिता क्या है तथा इसकी विशेषताओं को बताइए?
What is meant by utility? Mention the characteristics of utility.

10. सीमांत उपयोगिता तथा कुल उपयोगिता से आप क्या समझते हो? (What do you mean by marginal utility and total utility?)

11. सम सीमांत उपयोगिता नियम को बताइए?
(State the law of equi-marginal utility?)

12. सीमांत उपयोगिता और कुल उपयोगिता में सम्बंधों की व्याख्या कीजिए - (Explain the relationship between marginal utility and total utility?)

13. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम की मान्यताओं को बताइए?
(State assumptions of the law of Diminishing marginal utility?)

ANSWER

MODEL SET - 4

ECONOMICS

OBJECTIVE TYPE QUESTIONS / ANS.

1. मानवीय आवश्यकता की पूर्ति करने की क्षमता को उपयोगिता कहा जाता है।

2. दो वस्तुओं की दशा में उपभोक्ता सन्तुलन की शर्त —

$$\frac{MUx}{Px} = \frac{MUy}{Py}$$

3. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम (Law of diminishing marginal utility) के प्रतिपादक गोसेन (Gossen) थे। इसलिए इस नियम को गोसेन का प्रथम नियम (first law) भी कहा जाता है।

4. संतुष्टि बिन्दु पर सीमांत उपयोगिता (MU) शून्य होती है।

5. एक वस्तु की सभी इकाइयों के उपभोग से प्राप्त उपयोगिता को ~~...~~ कुल उपयोगिता (TU) कहा जाता है।

6. n वीं इकाई की सीमांत उपयोगिता

$MU_n = TU_n - TU_{(n-1)}$

7. सीमांत उपयोगिता जब ऋणात्मक होती है तब कुल उपयोगिता घटने लगती है।

8. उपभोक्ता वह है जो अपनी आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए वस्तुओं और सेवाओं का प्रयोग करता है।

SHORT TYPE QUESTIONS / ANS

9. उपयोगिता → उपयोगिता शब्द का अर्थ किसी वस्तु के उपभोग से मिलने वाली संतुष्टि से है।

प्रो॰ वॉघ (Waugh) के अनुसार :- "अर्थशास्त्री के लिए उपयोगिता आवश्यकताओं को संतुष्ट करने की क्षमता है।"

उपयोगिता की विशेषताएँ

① उपयोगिता एक सापेक्षिक (Relative) शब्द है, अर्थात यह स्थान, समय व व्यक्ति के साथ-साथ बदलती रहती है।

(2) उपयोगिता एक मनोवैज्ञानिक धारणा है। इसका कोई भौतिक स्वरूप नहीं होता।

(3) उपयोगिता का सम्बन्ध फलदायकता या लाभदायकता से नहीं है।

(4) उपयोगिता आवश्यकताओं की तीव्रता पर निर्भर करता है।

10. सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility - MU) — जब उपभोक्ता किसी वस्तु की अनेक इकाइयों का उपभोग करता है तो उपभोग की जाने वाली अन्तिम इकाई को सीमांत इकाई तथा उससे प्राप्त होने वाली उपयोगिता को सीमांत उपयोगिता कहा जाता है।

कुल उपयोगिता (Total Utility - TU) — जब हम किसी वस्तु की एक से अधिक इकाइयों का उपभोग करते हैं तब प्रत्येक इकाई से प्राप्त होने वाली सीमांत उपयोगिता का योग कुल उपयोगिता होती है।

प्रो० मेयर्स (Prof. Meyers) के अनुसार — "किसी वस्तु की उत्तरोत्तर इकाइयों के उपभोग के परिणामस्वरूप प्राप्त सीमांत उपयोगिता का योग कुल उपयोगिता है।"

11. सम-सीमांत उपयोगिता नियम को गोसेन का दूसरा नियम (Second Law of Gossen) भी कहा जाता है, क्योंकि गोसेन ने पहले उपयोगिता ह्रास नियम और बाद में सम-सीमांत उपयोगिता नियम दिया।

मार्शल के अनुसार :- "यदि किसी व्यक्ति के पास कोई एक ऐसी वस्तु हो जो विभिन्न प्रयोगों में लायी जा सके, तो वह उस वस्तु को विभिन्न प्रयोगों में इस प्रकार बाँटेगा कि उसकी सीमांत उपयोगिता सभी प्रयोगों में समान रहे, क्योंकि यदि वस्तु की सीमांत उपयोगिता एक प्रयोग में दूसरे की अपेक्षा अधिक है तो वह दूसरे प्रयोग से वस्तु की मात्रा हटाकर तथा उसका प्रयोग पहले में करके लाभ प्राप्त कर सकता है।"

इस प्रकार एक दी हुई समयावधि में एक वस्तु अनेक आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है तो इसकी एक दी हुई मात्रा से अधिकतम संतोष प्राप्त करने के लिए इसकी मात्रा को अनेक आवश्यकताओं के बीच इस प्रकार बाँटना चाहिए कि उस निश्चित काल में इसकी सीमांत उपयोगिता समान हो जाए।

अर्थात् $$\frac{MU_A}{P_A} = \frac{MU_B}{P_B}$$

12. सीमांत उपयोगिता और कुल उपयोगिता में संबंध →

कुल उपयोगिता तथा सीमांत में उपयोगिता के मध्य संबंध को निम्न तालिका द्वारा स्पष्ट किया गया है—

सीमांत एवं कुल उपयोगिता

रोटियों की संख्या	TU कुल उपयोगिता	MU सीमांत उपयोगिता
1	25	25
2	45	20
3	60	15
4	70	10
5	75	5
6	75	0
7	70	-5
8	60	-10

तालिका के अनुसार -

(1) रोटी की पहली इकाई से छठी इकाई तक, सीमांत उपयोगिता घटती जाती है। लेकिन कुल उपयोगिता बढ़ती है। कुल उपयोगिता उसी क्रम में बढ़ती है जिस क्रम में सीमांत उपयोगिता घटती है।

(2) रोटी की छठी इकाई पर उपभोक्ता को पूर्ण संतुष्टि प्राप्त होती है। इस बिन्दु पर सीमांत उपयोगिता (MU) शून्य है और कुल उपयोगिता अधिकतम है।

3) शून्य बिन्दु के बाद सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक हो जाती है। अतः कुल उपयोगिता घटने लगती है।

चित्र द्वारा स्पष्टीकरण

प्रस्तुत चित्र में TU और MU के मध्य संबंध को तालिका की सहायता से दर्शाया गया है। चित्र में, X अक्ष पर रोटियों की संख्या तथा Y अक्ष पर TU और MU को दर्शाया गया है। चित्र के अनुसार जैसे-जैसे रोटियों की अधिक मात्रा का उपभोग किया जाता है, वैसे-वैसे कुल उपयोगिता की वृद्धि घटते क्रम में होती है और सीमांत उपयोगिता भी घटने लगती है। अतः चित्र में निम्न बातें स्पष्ट होती हैं —

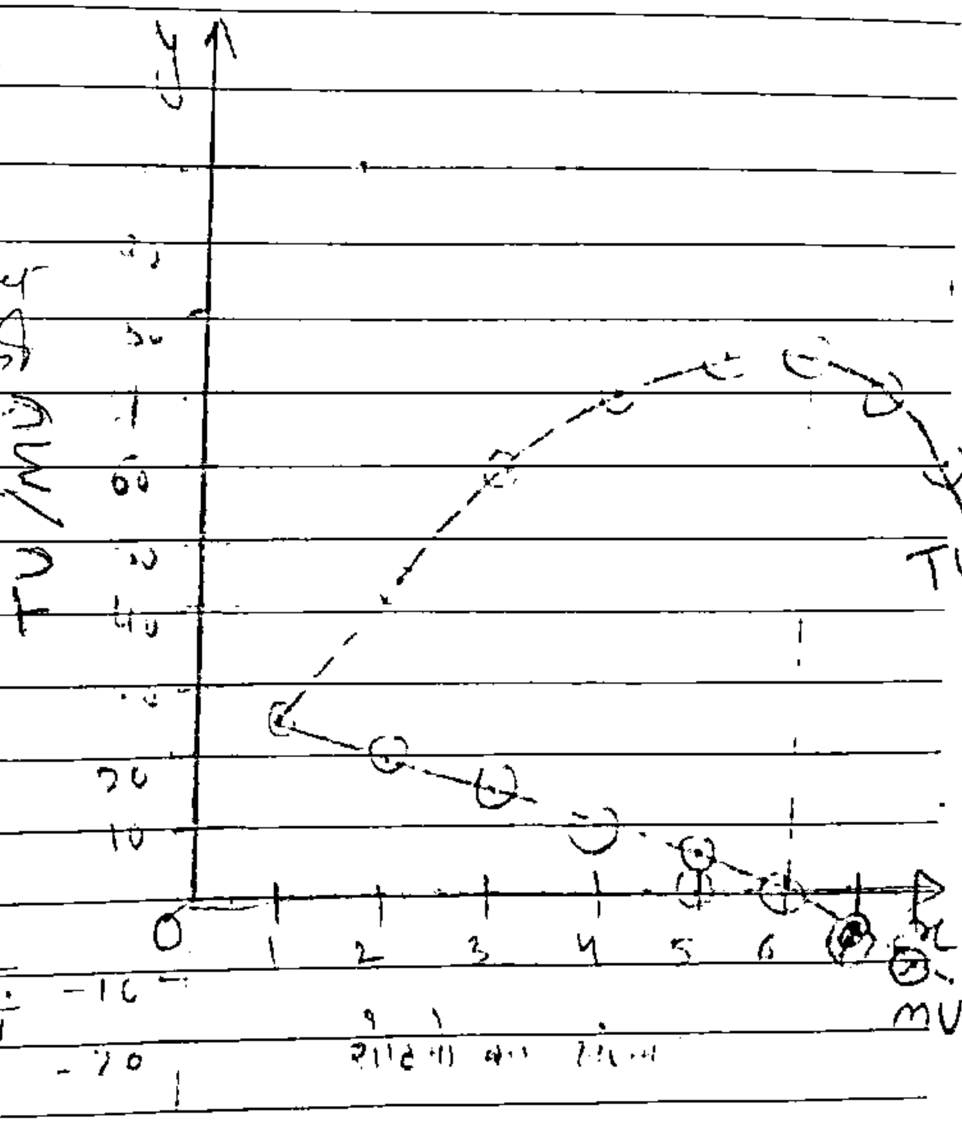

(1) जब सीमांत उपयोगिता (MU) धनात्मक होती है तब कुल उपयोगिता बढ़ती है।

(2)

(2) जब सीमांत उपयोगिता शून्य होती है, तो कुल उपयोगिता अधिकतम होती है।

(3) जब सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक होती है, तो कुल उपयोगिता घटती है।

13. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम की मान्यताएँ

सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम की प्रमुख मान्यताएँ निम्नलिखित है —

(1) उपभोग की जाने वाली वस्तुएँ गुण और रूप में समरूप हों।

(2) वस्तु का उपभोग एक ही समय में होना चाहिए।

(3) उपभोक्ता की मानसिक दशा में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

(4) वस्तुओं के मूल्य में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

(5) उपभोक्ता की आय, रुचि और स्वभाव में स्थिरता बनी रहे।

(6) उपभोग की जाने वाली वस्तु की इकाईयां उपयुक्त होनी चाहिए।

(2) जब सीमांत उपयोगिता शून्य होती है, तो कुल उपयोगिता अधिकतम होती है।

(3) जब सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक होती है, तो कुल उपयोगिता घटती है।

13. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम की मान्यताएँ

सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम की प्रमुख मान्यताएँ निम्नलिखित है —

(1) उपभोग की जाने वाली वस्तुएँ गुण और रूप में समरूप हों।

(2) वस्तु का उपभोग एक ही समय में होना चाहिए।

(3) उपभोक्ता की मानसिक दशा में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

(4) वस्तुओं के मूल्य में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

(5) उपभोक्ता की आय, रुचि और स्वभाव में स्थिरता बनी रहे।

(6) उपभोग की जाने वाली वस्तु की इकाइयां उपयुक्त होनी चाहिए।